वर्ष - 2022

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
अर्थशास्त्र	1	4	0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल,माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल ... भोपाल

BO... SECONDARYEDUCATI... 1180363

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

2	2	3	2	4	0	2	8	5

शब्दों में

दो	दो	तीन	दो	चार	शून्य	दो	आठ	पाँच

...नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ

1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंको में 01 शब्दों में एक

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 108

ग – परीक्षा की दिनांक 21 02 2022

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्डरी परीक्षा केन्द्र क्रमांक .322017

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
अनीता देवी 21-2-2022	[signature]

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तनुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया अन्दर के पृष्ठों के अनुरुप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदाकिंत संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

...परीक्षक के हस्ताक्षर ...

...K. SHRI... V. N. 471 | देवेन्द्र कुमार साहू ... GWA20220602

नोट :– "हायर सेकेन्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य स... विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अ... स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे..."

केवल परीक्षक द्वारा भरा जायें

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्रा... (...को में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में	कुल प्राप्तांक अंकों में

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें →

विशेष नोट :– सिलाई खुली हुई अथवा क्षतिग्रस्त उत्तर पुस्तिका को न तो पर्यवेक्षक वितरण करे और न ही छात्र उपयोग में ले। ऐसी उत्तर पुस्तिका में लिखें उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जायें →

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें →

Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4
99.1mm x 33.9mm x 16
Oddy®
www.oddyindia.com

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 2 के अंक =

2

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

सही विकल्प चुनिए-

उत्तर क्रमांक-01

I. शून्य 1.

II. उत्पादन 1.

III. 1 अप्रैल से 31 मार्च 1.

IV. $\frac{\Delta C}{\Delta Y}$

V. पूर्ण प्रतियोगिता 1.

VI. एडम स्मिथ 1.

X.

MPBSE

+ =
अंक

3

प्रश्न क्र.

उतर क्रमांक -02

रिक्त स्थानो की पूर्ति कीजिए -

I. कुल सम्प्राप्ति / मात्रा

II. कीमत सीमा या उच्चतम निर्धारित कीमत

III. समरूप

IV. रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया (R.B.I.)

V. कम

VI. विनिमय

VII. बराबर

M P B S E

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक-03

सत्य / असत्य लिखिए -

I. सत्य

II. सत्य

III. सत्य

IV. असत्य

V. नहीं असत्य

VI. असत्य

MPBSE

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 04

सही जोडी मिलाइए -

I. स्थानापन्न वस्तुएँ - चाय व कॉफी

II. पूरक वस्तुए - कार एवं पेट्रोल

III. मूल्य ह्रास - प्रतिस्थापन व्यय

IV. अंतिम वस्तुए - अंतिम उपभोक्ता

V. कीन्स का आय विश्लेषण - अल्पकालीन

VI. निवेश - दीर्घकालीन

MPBSE

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक -05

एक वाक्य में उत्तर -

I. सन् 1944 में

II. विपरीत

III. अवसर लागत - अवसर लागत किसी भी विकल्प का त्याग न होकर दूसरे सर्वश्रेष्ठ विकल्प का त्याग है।

IV. बाजार में श्रम की कुल मांग द्वारा।

V. 3।

VI. प्रत्यक्ष कर में वे कर शामिल होते हैं जिनका भुगतान वही व्यक्ति करता है जिसपर ये लगाए जाते हैं। जैसे- आय कर।

VII. जॉन मेयनार्ड कीन्स।

M P B S E

उत्तर क्रमांक -06

केन्द्रीय समस्या - प्रत्येक अर्थव्यवस्था चाहे वह पूँजीवादी हो समाजवादी हो या मिश्रित हो उसको कुछ आधारभूत कार्य करने होते है इन आधारभूत कार्यो को ही अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्या माना जाता है। प्रत्येक अर्थव्यवस्था में इसे हल करने के तरीके अलग-अलग होते है जैसे - पूँजीवाद में यह कार्य कीमत यन्त्र द्वारा होता है तथा समाजवादी अर्थव्यवस्था में आर्थिक नियोजन द्वारा।

उत्तर क्रमांक - 07 (अथवा)

~~निम्नस्तरीय~~

निम्नस्तरीय वस्तुए - निम्नस्तरीय वस्तुएं वो वस्तुए होती है जिनकी कीमत घटने पर माँग कम होती है। इन्हे गिफिन वस्तुए भी कहा जाता है। ये वस्तुएं घटिया अर्थात् निकृष्ट होती है।

उदाहरण - माना एक गरीब व्यक्ति बाजेर का उपभोग करता है अगर बाजेर के कीमत ~~घट~~ घट जाती है तो वह अपनी

M P B S E

प्रश्न क्र.

आय को बाजरे मे व्यय कर.8 चने का उपभोग या क्रय लगाता है क्योंकि चने की तुलना में बाजरा निम्न स्तरीय वस्तु है।

उत्तर क्रमांक - 08

पूर्ति की कीमत लोच - पूर्ति की कीमत लोच कीमत में परिवर्तन के परिवर्तन परिणामस्वरूप पूर्ति में होने वाले परिवर्तन की व्याख्या करता है।

पूर्ति की लोच = $\frac{\text{पूर्ति में आनुपातिक परिवर्तन}}{\text{कीमत में आनुपातिक परिवर्तन}}$

पूर्ति तथा कीमत में धनात्मक या सीधा सम्बन्ध होता है कीमत बढने पर पूर्ति बढती है तथा कीमत घटने पर पूर्ति भी घटती है।

M P B S E

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 09 (अथवा)

निम्नतम निर्धारित कीमत - सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य को निम्नतम निर्धारित कीमत या कीमत तल कहते हैं। यह वह कीमत होती है जिस पर सरकार वस्तुए का क्रय करती है अगर उस वस्तु की कीमत बाजार में बहुत कम हो जाती है। यह मूलत: कृषि वस्तुओ की निर्धारित की जाती है या मजदूरी की दरें निर्धारित करने के लिए उपयोग की जाती है। जिससे उत्पादकों और श्रमिकों को हानि न हो।

M
P
B
S
E

उत्तर क्रमांक -10 (अथवा)

अल्पाधिकार - अल्पाधिकार बाजार की वह स्थिति होती है जिसमे किसी वस्तु के बहुत कम क्रेता - विक्रेता होते है और वे समरूप वस्तु का उत्पादन करते है या तो भेदित वस्तु का। अल्पाधिकार में बड़ी मात्रा में विज्ञापन लागते पायी जाती है। इस बाजार में फर्मों का प्रवेश एवं बहिर्गमन कठिन होती है। इसका माँग वक्र अनिश्चित होता है।

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 11

समष्टि आर्थिक विश्लेषण - समष्टि आर्थिक विश्लेषण अर्थशास्त्र की उस शाखा को कहते हैं जिसमे अर्थव्यवस्था के बडे योगो एवं औसतो का इनके व्यवहारो एवं पारस्परिक सम्बन्धो का अध्ययन करते हैं। इसका सम्बन्ध व्यक्तिगत मात्राओ से नही बल्कि मात्राओ के समूह से होता है। व्यक्तिगत कीमतो से नही बल्कि कीमतो के स्तर होता है व्यक्तिगत आय से नही बल्कि राष्ट्रीय आय से होता है।

उत्तर क्रमांक - 12

आय का सकल राष्ट्रीय उत्पादन - आय का सकल राष्ट्रीय उत्पाद एक देश द्वारा एक वर्ष मे उत्पादित सभी वस्तु अन्तिम वस्तुओ एवं सेवाओ का मौद्रिक मूल्य से होता है। इसमे विदेशो के प्राप्त शुद्ध आय को भी जोडा जाता है।

GNP = GDP + NFFA

M P B S E

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक – 13 (अथवा)

मुद्रा के प्रमुख कार्य दो होते हैं –

विनिमय का माध्यम – विनिमय का माध्यम मुद्रा का प्रमुख कार्य है। मुद्रा के द्वारा कोई भी वस्तु आसानी से खरीदी जा सकती है।

ii) मूल्य का मापक – मूल्य का मापक भी मुद्रा के प्रमुख कार्य के अन्तर्गत शामिल किया जाता है। मुद्रा के अन्तर्गत विभिन्न वस्तुओ के मूल्य निर्धारित कर दिए जाते हैं।

उत्तर क्रमांक – 14 (अथवा)

बजट – बजट शब्द की उत्पत्ति फ्रांसीसी भाषा के बयूजे से हुयी है जिसका अर्थ होता है 'चमडे का थैला'। इग्लैण्ड मे आज भी बजट शब्द का प्रयोग उस थैले के लिए होता है जिसमे आय-व्यय के विवरण रखे जाते हैं।

बजट एक ऐसा प्रपत्र होता है जिसमे किसी देश के आय-व्यय के

P.T.O.

प्रश्न क्र.

आनुमानित ब्यौरे होते हैं।

रैने स्टार्न के अनुसार - बजट एक ऐसा प्रपत्र होता है जिसमे किसी देश के आय - व्यय से सम्बन्धित लेखा - जोखा या ब्यौरा होता है।

उत्तर क्रमांक - 15

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर वित्तीय संस्थाओ के नाम -

I. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष।

II. विश्व बैंक।

M P B S E

उत्तर क्रमांक -16

व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र में अंतर-

व्यष्टि अर्थशास्त्र	समष्टि अर्थशास्त्र
i. व्यष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर्गत अर्थव्यवस्था के छोटे भागो जैसे-विशिष्ट उपभोक्ता, विशिष्ट परिवार का अध्ययन किया जाता है।	समष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर्गत अर्थ-व्यवस्था के बडे भागो एवं औसतो का अध्ययन किया जाता है।
ii. योग को टुकडे मे तोडने की क्रिया को आधार माना जाता है।	योग करने की क्रिया को आधार माना जाता है।
iii. व्यक्तिगत संस्थाओ की नीतियो के निर्माण में सहायक होता है।	सम्पूर्ण समाज की नीतियो के निर्माण में सहायक होता है।

MPBSE

प्रश्न क्र:

उत्तर क्रमांक -14.

पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार की विशेषताए -

1. क्रेताओ एवं विक्रेताओ की अधिक संख्या -
पूर्णप्रतियोगिता या पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार में बडी मात्रा में क्रेता-विक्रेता है जो एक-दूसरे से निकट सम्पर्क रखते हैं तथा क्रेताओ को बाजार का पूर्ण ज्ञान होता है।

II. समरूप वस्तु- पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार में विक्रेताओ द्वारा समरुप वस्तु का उत्पादन किया जाता है। तथा बाजार में एक ही कीमत का चलन होता है क्योंकि अगर कोई विक्रेता अधिक कीमत लेता है तो विक्रेता किसी दूसरे विक्रेता से वस्तु खरीद क्रसकता है क्योंकि वस्तुएँ समरूप होती है।

III. फर्मो का प्रवेश एवं बहिर्गमन स्वतन्त्र -

पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार में फर्मो का प्रवेश एवं बहिर्गमन स्वतन्त्र होता है।

M P B S E

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

अर्थात् नयी फर्मे उद्योग में प्रवेश कर सकती है तथा पुरानी अकुशल फर्मे उद्योग से बाहर हो सकती है उन्हे पूर्ण स्वतन्त्रता होती है।

उत्तर क्रमांक - 18 (अथवा)

मितव्ययिता का विरोधाभास

मितव्ययिता के विरोधाभास नियम के अनुसार यदि लोग मितव्ययी होती हो जाते है अर्थात् उपभोग पर व्यय कम करके बचत अधिक करना प्रारम्भ कर देते है तो अर्थव्यवस्था में राष्ट्रीय आय नही बढती है बल्कि राष्ट्रीय आय कम हो जाती है क्योकि यदि लोग बचते ज्यादा करेंगे तो उपभोग पर व्यय कम होगा और उत्पादको को लाभ हानि होगी और वह कम उत्पादन करेगे जिसके परिणामस्वरूप रोजगार के अवसर कम होगे और अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी की स्थिति निर्मित हो जाती है और लोगो की आय भी

M P B S E

प्रश्न क्र.

कम हो जाती है और
राष्ट्रीय आय भी कम हो जाएगी।
इस नियम का प्रतिपादन
जॉन मेयनार्ड कीन्स ने किया।
मितव्ययिता का विरोधाभास
नियम हमे यह बताता है
कि अगर हम अपने बचतो
में वृद्धि करते है तो बचतों
में वृद्धि के बावजूद राष्ट्रीय
आय में वृद्धि नही होती है
बल्कि यह उत्तरोत्तर घटती जाती
है। क्योंकि इससे रोजगार
के अवसर कम होने लगती
है क्योंकि उपभोक्ता द्वारा
वस्तु की माँग कम होने से
उत्पादक वर्ग को हानि होती
है और वह उत्पादन कार्य
कम करने लगते है और
श्रमिको को उद्योग से बाहर
करने लगते है।

M P B S E

MPBSE

प्रश्न क्र.

"उत्तर क्रमांक - 19

सरकारी बजटों के उद्देश्य -

1. हिसाबदेयता - लोकतान्त्रिक देश में सरकार जनता के प्रति उत्तरदायी होती है। और उसके समस्त कार्यों का ज्ञान जनता को होना आवश्यक होता है अर्थात् वह जनता को अपने कार्यों का हिसाब देती है बजट के माध्यम देती है।

2. नियमन एवं नियन्त्रण - बजट का उद्देश्य अर्थव्यवस्था का नियमन एवं नियन्त्रण करना होता है। अर्थात् वह बजट के माध्यम से विभिन्न विभागों को धन का आबंटन करती है और उस नियन्त्रण रखती है।

आर्थिक नियोजन के अनुरूप - बजट का उद्देश्य आर्थिक नियोजन करना है बजट के माध्यम से सरकार विभिन्न प्रकार की योजनाएँ निर्मित करती है उनमे धन का धन का आबंटन करती है।

उत्तर क्रमांक - २० (अथवा)

अनधिमान या तटस्थता वक्र की विशेषताएं -

१. तटस्थता वक्र बांए से दांए झुके हुए होते है।

तटस्थता वक्र बाए से दाएं झुके होते है अर्थात जब हम किसी एक इकाई के उपभोग में वृद्धि करते है तो दूसरे इकाइयों की मात्रा में कमी हो जाती है।

२. तटस्थता वक्र मूल बिन्दु की ओर उन्नोतदार होते हैं - तटस्थता वक्र की एक विशेषता यह है कि तटस्थता, अधिमान अनधिमान वक्र मूल बिन्दु की ओर उन्नोतर दार होते है।

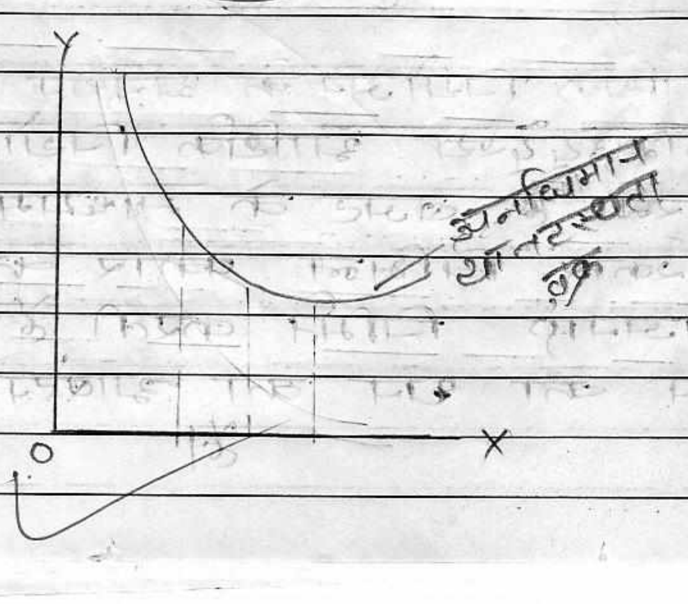

MPBSE

प्रश्न क्र.

3. तटस्थता वक्र एक-दूसरे को कभी नही काटते - तटस्थता वक्र एक दूसरे को कभी नही काटते है इसका मुख्य कारण यह है कि दो वस्तुओ के संयोगो के अलग-अलग संतुष्टि प्राप्त है।

4. अनधिमान या तटस्थता वक्र अक्ष को स्पर्श नही करते - तटस्थता या अनधिमान वक्र अक्ष को स्पर्श नही करते है क्योंकि यदि वो अक्ष को स्पर्श करते है तो इसका अर्थ है कि वो अपनी सम्पूर्ण राशि को एक ही वस्तु पर व्यय कर रहे है जो मान्यता के विपरीत है।

5. तटस्थता या अनधिमान वक्रो का समान्तर होना आवश्यक नही -

M P B S E

प्रश्न क्र.

M P B S E

उत्तर क्रमांक - २५ (अथवा)

लागत वक्र U आकार के क्यों होते हैं —

लागत वक्र फर्मों को प्राप्त होने वाली आन्तरिक बचतो के कारण U आकार के होते हैं। फर्म की आन्तरिक बचतो के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं:-

1. तकनीकि बचतें - ये बचतें फर्मों को श्रेष्ठ तकनीकि का प्रयोग करने के कारण प्राप्त हैं। यदि फर्म श्रेष्ठ तकनीकि का प्रयोग करती है तो उसकी उत्पादन लागत घट जाती है और उसका उत्पादन बढ़ जाता है जिसके परिणाम स्वरूप उन्हे बचते प्राप्त होती है।

II. वित्तीय बचते - ये बचते फर्मों को वित्तीय छूट के कारण प्राप्त होती है। बडी फर्मों को ऋण आसानी से कम ब्याज पर उपलब्ध हो जाता है और उन्हे बचते प्राप्त होती है।

प्रश्न क्र.

3. प्रबन्धकीय बचतें - ये बचतें फर्मों को कुशल प्रबन्धन के परिणामस्वरूप प्राप्त होती हैं। एक कुशल प्रबन्धक अपनी फर्मों के सूक्ष्म बातों एवं कार्यों को अपने अधीनस्थ पदाधिकारियों को सौंपकर स्वयं को अधिक लाभ वाले कार्य लगाकर बचतें अर्थात् लाभ प्राप्त करते हैं।

4. श्रम सम्बन्धी बचतें - ये बचतें फर्मों को कुशल श्रम एवं श्रम विभाजकता के परिणाम स्वरूप प्राप्त होती है। एक फर्म श्रमिकों के बीच कार्यों को विभाजन यदि उनकी कुशलता के आधार पर करता है तो फर्मों को बचतें प्राप्त होती हैं।

MPBSE

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECON

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - २२ (अथवा)

उत्पादन के निम्न लिखित कारक होते है -

१. भूमि, भूमि से आशय साधारण अर्थो में पृथ्वी से लिया जाता है। परन्तु अर्थशास्त्र में भूमि का आशय प्रकृति द्वारा इन वस्तुओ से लिया जाता है जो प्रकृति ने हमे उपहार स्वरूप नि: शुल्क प्रदान की है।

जैसे - भूमि, जल, पहाड, पर्वत।

भूमि उत्पादन का निष्क्रिय साधन है। भूमि मे अविनाशी शक्ति होती है।

भूमि की विशेषताए - i) उत्पादन का निष्क्रिय साधन है।

ii) भूमि में अविनाशी शक्ति होती है।

iii) भूमि की पूर्ति बेलोच होती है।

२. श्रम - साधारण अर्थ में श्रम से आशय शारीरिक श्रम से लिया जाता है परन्तु

M
P
B
S
E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

अर्थशास्त्र में श्रम से आशय उन कार्यों से होता है जो धन की प्राप्ति के लिए जाते हैं।

श्रम की विशेषताएं - i) उत्पादन का सक्रिय साधन है।
ii) मनुष्य निर्मित साधन है।
iii) श्रम साधन एवं साध्य दोनों है।

3. पूँजी - पूँजी से आशय धन का वह भाग जो और अधिक धन प्राप्ति के लिए व्यय की जाती है। समस्त पूँजी धन होता है लेकिन समस्त धन पूँजी नहीं होता है।

पूँजी की विशेषताएँ - i) उत्पादन का निष्क्रिय साधन है।
ii) यह केवल साधन होती है।

4. संगठन - संगठन का आशय अर्थव्यवस्था में विद्यमान साधनों को एकत्रित करके उनको अनुकूलतम अनुपात में व्यवस्थित करना है तथा यह कार्य जो व्यक्ति करता है उसे संगठन कर्ता है।

MPBSE

प्रश्न क्र.

5. साहस - साहसी वह होता है जो व्यवसाय में अनिश्चित का वहन करता है और जोखिम उठाता है। जिसके परिणाम स्वरूप उसे लाभ प्राप्त होता है। साहसी अपने व्यवसाय का मालिक होता है।

इन साधनो से प्राप्त होनेवाला पारिश्रामिक -

साहसी - साहसी को उसकी परिश्रम के बदले लाभ प्राप्त है।

पुजीपति - पूँजीपति को भी उसके पारिश्रामिक के ब्याज के रूप में लाभ प्राप्त है।

संगठक - संगठन को उसके पारिश्रामिक के बदले वेतन प्राप्त होता है।

श्रमिक अर्थात श्रम - श्रम का पारिश्रामिक के रूप में मजदूरी प्राप्त होती है।

भूस्वामी - भूस्वामी को पारिश्रामिक के रूप में लगान की प्राप्तिहोती है।

MPBSE

2022

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

4 पृष्ठीय

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
अर्थशास्त्र	1	4	0	हिन्दी

परीक्षा का दिनांक 21 02 2022

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें →

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्ड्री परीक्षा

केन्द्र क्रमांक .322017

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

अनीता धुर्वे

21-2-2022

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक ......1...... तक कुल प्राप्तांक

प्रश्न क्र.

MPBSE

उत्तर क्रमांक -

रिजर्व बैंक के कार्य

1) नोट निर्गमन का कार्य - रिजर्व बैंक को नोट निर्गमन का एकाधिकार प्राप्त है। यह देश का केन्द्रीय बैंक है। प्राचीन काल अन्य देशो मे नोट निर्गमन का अधिकार सभी बैंको को प्राप्त है लेकिन भारत मे यह केवल रिजर्व बैंक प्राप्त है।

M P B S E

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ [ ] + [ ] अंक =

2

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

2. सरकार का बैंकर - रिजर्व बैंक सरकार के बैंकर के रूप में कार्य करता है। सरकार अपनी समस्त जमाए रिजर्व बैंक में ही रखता है तथा यह बैंक अर्थात रिजर्व बैंक ही सरकार को ऋण प्रदान करता है।

3. अन्तिम ऋणदाता - रिजर्व बैंक अन्तिम ऋणदाता के रूप में कार्य करता है। जब बैंक को कहीं से ऋण प्राप्त नही होता तो केन्द्रीय बैंक ही ऋण प्रदान करता है। अर्थात् यह अन्तिम ऋणदाता के रूप में कार्य करता है।

4. बैंको का बैंक - केन्द्रीय बैंक अर्थात् रिजर्व बैंक बैंको का बैंक है। देश के समस्त बैंक का संचालन केन्द्रीय बैंक अर्थात् रिजर्व बैंक द्वारा है। सभी बैंक रिजर्व बैंक अधीन होते है।

M
P
B
S
E

योग पूर्व पृष्ठ = कुल अंक

3

MPBSE

प्रश्न क्र.

5. समाशोधन गृह की व्यवस्था - रिजर्व बैंक समाशोधन गृह की व्यवस्था करता है। सभी व्यापारिक बैंक के रिजर्व बैंक के पास खाते खुले होते है जिसमे इन बैंक द्वारा प्रारक्षित निधि के रुप कुछ राशि जमा करना होता है। रिजर्व बैंक विभिन्न बैंक द्वारा जारी अलग - अलग चेको को स्वीकार करता है और समाशोधन गृह का कार्य करता है।